सीएसआईआर-आईएमएमटी ने निजी कंपनी को सौंपी सैनिटाइजर उत्पादन तकनीक

नई दिल्ली, 05 मई : कोविड-19 के खतरे को देखते हुए काउंसिल ऑफ साइंटिफिक ऐंड इंडस्ट्रियल रिसर्च (सीएसआईआर) की देशभर में फैली प्रयोगशालाएं शोध एवं विकास से जुड़े कार्यों के साथ-साथ जरूरतमंदों की मदद के लिए भी आगे आ रही हैं। सीएसआईआर की भुवनेश्वर स्थित प्रयोगशाला इंस्टीट्यूट ऑफ मिनरल्स ऐंड मैटेरियल्स टेक्नोलॉजी (आईएमएमटी) ने भी कोविड-19 की चुनौती को देखते हुए जरूरतमंदों की मदद के लिए हाथ बढ़ाया है। सैनिटाइजर की मांग को पूरा करने के लिए सीएसआईआर-आईएमएमटी ने अल्कोहल आधारित हैंड सैनिटाइजर और लिक्विड साबुन बनाने का फॉर्मूला स्टार्टअप कंपनी जिगसैन मर्कैन्टाइल को सौंप दिया है।

इस संबंध में सीएसआईआर-आईएमएमटी के निदेशक प्रोफेसर सुधत्सवा बसु और जिगसैन मर्कैन्टाइल कंपनी के निदेशक रंजन स्वैन के बीच समझौता पत्र पर हस्ताक्षर किया गया है। इसके अलावा, संस्थान उद्योगों और स्टार्टअप कंपनियों को कोविड-19 की चुनौती से लड़ने के लिए विभिन्न तकनीकों के विकास में भी मदद कर रहा है। सीएसआईआर-आईएमएमटी द्वारा बनाया गया हैंड्स-फ्री

वॉश-बेसिन 'हस्त-सुरक्षा' की तनकीक भी व्यावसायिक उत्पादन के लिए सौंपी गई है। आईएमएमटी के निदेशक प्रोफेसर सुधत्सवा बसु ने कहा है कि उनका संस्थान हैंड सैनिटाइजर, लिक्विड साबुन और पका हुआ भोजन जरूरतमंदों को वितरित कर रहा है। यह सामग्री जरूरतमंदों को बांटने के लिए पुलिस कमिश्नर कार्यालय में सौंपी गई है। इस अवसर पर पुलिस आयुक्त, भुवनेश्वर डॉ सुधांशु षाडंगी और अतिरिक्त पुलिस आयुक्त संजय कुमार सिंह मौजूद थे। इसके अलावा, हैंड सैनिटाइजर एम्स, भुवनेश्वर और क्राइम बांच पुलिस के स्पेशल टास्क फोर्स को सौंपा गया है।